राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 300 | जौनपुर | शुक्रवार, 20 जून 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

डीएम ने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं निर्माण

कुशीनगर, (संवाददाता)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में बेसिक, माध्यमिक शिक्षा के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति, जिला शिक्षा परियोजना समिति, जिला शिक्षा समिति, जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक भी सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने शैक्षणिक सत्र 2025 में नवभारत साक्षरता मिशन, स्कूल हर दिन आए कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों में नव प्रवेशित बच्चों की संख्या के बारे में पूछताछ की तथा ऑपरेशन कायाकल्प के संतृप्तिकरण के अंतर्गत दिव्यांग शौचालय, बालक बालिका मूत्रालय, बाउंड्री वाल, फेंसिंग कार्य, टाइल्स फ्लोरिंग तथा अन्य पैरामीटर के बारे में आवश्यक पूछताछ की।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के मंत्री सिरसा ने पीएम के कनाडा यात्रा की तारीफ की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कनाडा यात्रा की सराहना की और दोनों देशों में उच्चायोग और वीजा सेवाओं को फिर से शुरू करने पर खुशी व्यक्त की.दिल्ली के मंत्री ने जोर देकर कहा कि कनाडा भारत की संप्रभुता, सम्मान और निर्णय पर सवाल नहीं उठा सकता, जो पिछले 30 वर्षों में भारत की सबसे बड़ी जीत है. उन्होंने कहा कि इससे विश्व मंच पर भारत की स्थिति स्पष्ट होती है और यह भी कि वह यह तय करने में सक्षम है कि किसके साथ बातचीत करनी है और किसके साथ नहीं. मनजिंदर सिंह सिरसा ने आगे कहा कि जब भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी से मिलते हैं, तो एक ऐतिहासिक निर्णय होता है कि अब देश में उच्चायुक्तों को बहाल किया जाएगा और वीजा सेवाएं बहाल की जाएंगी. इसके साथ ही, कनाडा किसी भी मामले में भारत की संप्रभुता, सम्मान और निर्णय लेने की आलोचना नहीं कर सकता. यह पिछले तीस वर्षों में सबसे बड़ी ऐतिहासिक जीत है.।

गुजरात के बोटाद में बाढ़ के तेज बहाव में कार नदी में बही

अहमदाबाद, (एजेंसी)। गुजरात के बोटाद जिले में 2 दिन से लगातार हो रही बारिश की वजह से बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिससे एक ईको कार पानी के तेज बहाव के कारण नदी में बह गई। हादसा लाठीदार से संगावदर गांव जाने वाली सड़क पर हुआ। घटना के समय ईको कार में 9 यात्री सवार थे, जो पानी में बह गए। अभी तक पुलिस ने 2 यात्रियों को बचाया है, जबकि 4 की मौत हो गई है। 3 यात्री लापता हैं। एनडीआरएफ छठी बटालियन के टीम कमांडर इंस्पेक्टर विनय कुमार भाटी ने बताया कि उनकी टीम राजकोट में तैनात थी, जिनको बोटाद पहुंचना था, लेकिन सड़क अवरुद्ध होने से समस्या हुई। जिला प्रशासन की मदद से टीम घटनास्थल पर पहुंचकर अभियान शुरू कर पाई।

हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना में हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी दी गई, जिसके बाद यहां दहशत फैल गई। धमकी ईमेल के जरिए दी गई थी। ईमेल की सूचना मिलते ही तेलंगाना विशेष सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और अन्य सुरक्षा दल ने जांच शुरू कर दी। उन्होंने सुरक्षा उपाय के तौर पर एयरपोर्ट के कर्मचारियों और स्टाफ को बाहर निकाल दिया और खोजबीन की। हवाईअड्डा प्राधिकारियों ने आपातकालीन टीमें भी भेजी है। सुरक्षा दलों के अलावा खोजी कुत्तों और बम निरोधक दस्ते को भी तैनात किया गया है। प्रशिक्षित कुत्तों और बम विशेषज्ञों भी हवाई अड्डे की गहन तलाशी ले रहे हैं। अभी तक जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

प्रशासनिक प्रशिक्षण मॉडल में सहानुभूति को करना होगा शामिल : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूंश पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब देश का कालखंड घनघोर अंधेरी रात्रि जैसा था, तब भी भक्ति साहित्य ने हमारे धर्म, स्वतंत्रता और संस्कृति के दीयों को जलाकर रखा था... साहित्य एक प्रकार से हमारे समाज की आत्मा है... आज हम सभी को देश में परिवर्तन दिख रहा है... मुझे विश्वास है कि 2047 तक यह यात्रा निश्चित रूप से हमारे सभी प्रकार के खोए हुए गौरव और समाज को वापस दिलाने का काम करेगी। भाषा विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक और मोर्चा खोलते हुए कहा कि देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोलते हुए गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि देशी भाषाएं भारत की पहचान के लिए केंद्रीय हैं और उन्हें विदेशी भाषाओं पर वरीयता मिलनी चाहिए। शाह ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आने लगेगी – ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। मेरा मानना घ्है कि हमारे देश की भाषाएं हमारी संस्कृति के रत्न हैं। अपनी भाषाओं के बिना हम सच्चे भारतीय नहीं रह सकते। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

बिहार की नाबालिग लड़की के बाल विवाह पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बिहार की 16 वर्षीय लड़की का बचाव किया किया. लड़की ने अपनी शादी रद्द कराने की मांग की है. उसने आरोप लगाया है कि उसकी शादी उसकी उम्र से दोगुनी उम्र के व्यक्ति से जबरन करा दी गई. साथ ही शादी के बाद उसे शारीरिक और भावनात्मक रूप से प्रताड़ित किया गया. यह मामला न्यायमूर्ति उज्जल भुयान और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ के समक्ष आया. पीठ ने लड़की और उसके दोस्त को सुरक्षा देने का आदेश दिया, जिसने उसे शादी से बचने में मदद की थी. हालांकि बचाने वाले पर अब अपहरण का आरोप है. पीठ ने बिहार के पुलिस महानिदेशक और दिल्ली पुलिस आयुक्त को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि लड़की और लड़का दोनों सुरक्षित रहे.

पीठ ने पुलिस से उन्हें आपातकालीन संपर्क नंबर भी उपलब्ध कराने को कहा, जिसका इस्तेमाल किसी आपात स्थिति में किया जा सके. पीठ ने पुलिस प्रमुखों को मामले में स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है. पीठ ने लड़की की मां जिसने लड़के के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया था और सिविल ठेकेदार जिसके बारे में लड़की का दावा है कि उसकी जबरन शादी कर दी गई से भी जवाब मांगा है. लड़की ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिका में अपनी मां और उस व्यक्ति दोनों को पक्षकार बनाया है. सुप्रीम कोर्ट जुलाई में इस मामले पर सुनवाई करने वाला है. लड़की ने अपने दोस्त के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की. उसने बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत विवाह को रद्द है।

प्रमुख यातायात परिवर्तन, 20 जून को भुवनेश्वर और कटक के स्कूलों में छुट्टी की घोषणा

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री का जनता मैदान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेने का कार्यक्रम है, जो वर्तमान ओडिशा सरकार के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा। इस यात्रा के हिस्से के रूप में, बीपीआई हवाई अड्डे से जनता मैदान तक एक रोड शो आयोजित किया जाएगा, जिसके कारण दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक या कार्यक्रम समाप्त होने तक यातायात प्रतिबंध और डायवर्जन लागू रहेंगे। सैनिक स्कूल, नाल्को स्क्वायर, बेहरा साही और के आस–पास के क्षेत्रों सहित कई पार्किंग स्थल कुशल वाहन प्रबंधन के लिए तैयार किए गए हैं। वीआईपी, मीडिया और आपातकालीन वाहनों के लिए विशेष क्षेत्र चिह्नित किए गए हैं, जिनमें स्पष्ट सीमांकन किया गया है ताकि बिना किसी बाधा के पहुँच सुनिश्चित की जा सके। ओडिशा सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निर्धारित यात्रा के मद्देनजर 20 जून को भुवनेश्वर और कटक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। स्कूल और जन शिक्षा विभाग ने बुधवार को एक आधिकारिक अधिसूचना के जरिए इस संबंध में घोषणा की। मोदी 20 जून को दोपहर में भुवनेश्वर पहुंचेंगे और राज्य की भाजपा सरकार की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। पत्र में कहा गया है।

वैज्ञानिक और अधिकारी भी खेतों में जाएंगे : शिवराज सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लैब टू लैंड पहल को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की. उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों को अब सप्ताह में तीन दिन अनिवार्य रूप से खेतों में जाकर किसानों के साथ संवाद करना होगा. यह कदम किसानों की वास्तविक समस्याओं को समझने और वैज्ञानिक अनुसंधान को खेतों तक पहुंचने के लिए उठाया गया है. इसके साथ ही, कृषि मंत्री ने स्वयं भी सप्ताह में दो दिन किसानों के बीच जाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने मंत्रालय के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे निश्चित समय के लिए खेतों में जाएं और किसानों की चुनौतियों का जमीनी स्तर पर आकलन करें. कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ये बात कही.

उन्होंने कहा की असली काम

खेतों में ही होता है. यदि वैज्ञानिक और अधिकारी केवल प्रयोगशालाओं या कार्यालयों में बैठे रहेंगे, तो हम किसानों की वास्तविक जरूरतों को नहीं समझ पाएंगे. ज्ञान, अनुसंधान और क्षमता के बीच जो अंतर है, उसे हमें पाटना होगा. यह बयान उन्होंने हाल ही में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत किसानों और वैज्ञानिकों के बीच संवाद को बढ़ावा देने के संदर्भ में दिया.। इस अभियान के तहत, 29 मई से 12 जून 2025 तक देश भर में 2170 वैज्ञानिक टीमों ने 65,000 से अधिक गांवों में 1.08 करोड़ किसानों से मुलाकात की. इस दौरान किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, मृदा स्वास्थ्य, और जलवायु–अनुकूल खेती के बारे में जानकारी दी गई. चौहान ने इस अभियान को लैब टू लैंड दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया, जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक शोध को प्रयोगशालाओं से निकालकर खेतों तक ले जाना है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) वैज्ञानिकों को अब नियमित रूप से किसानों के खेतों में जाना होगा ताकि वे स्थानीय मिट्टी, जलवायु, और फसलों की जरूरतों के आधार पर अनुकूलित सलाह दे सकें. चौहान ने जोर देकर कहा कि यह पहल न केवल किसानों की उत्पादकता बढ़ाएगी, बल्कि वैज्ञानिकों को भी किसानों की व्यावहारिक चुनौतियों से अवगत कराएगी. चौहान ने खुद के बारे में भी बोलते हुए ।

ट्रंप-मुनीर मुलाकात के बाद कांग्रेस ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को दोपहर के भोजन पर आमंत्रित करने के बाद सरकार पर हमला करते हुए कहा कि यह भारतीय कूटनीति के लिए एक ष्बड़ा झटका है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर पाकिस्तान के राष्ट्राध्यक्ष या सरकार के प्रमुख नहीं हैं, बल्कि वे सेना प्रमुख हैं, फिर भी ट्रंप उन्हें दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित करते हैं और उनकी खूब प्रशंसा होती है। रमेश ने एक्स पर कहा कि यह वही व्यक्ति है जिसकी नृशंस और भड़काऊ टिप्पणी पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमलों की पृष्ठभूमि बनी, जिसे उस सत्ता प्रतिष्ठान ने अंजाम दिया जिसकी वह अध्यक्षता करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह भारतीय कूटनीति (और गले मिलने की भावना) के लिए एक बड़ा झटका है। कांग्रेस मोदी पर कटाक्ष करती रही है, अंतरराष्ट्रीय या द्विपक्षीय बैठकों के दौरान विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से गले मिलने को गले मिलना कहती रही है। इस बीच, ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के दो बहुत ही चतुर नेताओं ने एक ऐसे युद्ध को जारी न रखने का फैसला किया जो परमाणु युद्ध में बदल सकता था, जो कि हफ्तों में पहली बार हुआ है। उन्होंने दोनों पड़ोसी देशों के बीच शत्रुता को रोकने का श्रेय नहीं लिया। बुधवार को व्हाइट हाउस में मुनीर को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित करने के बाद ओवल ऑफिस में मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने यह टिप्पणी की। ट्रंप ने यह भी कहा कि मुनीर से मिलकर उन्हें सम्मानित महसूस हुआ। जब उनसे पूछा गया कि क्या मुनीर के साथ उनकी बैठक में ईरान पर चर्चा हुई, तो ट्रंप ने कहारू ष्ठीक है, वे ईरान को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं, बाकी लोगों से बेहतर, और वे किसी भी चीज से खुश नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि वे इजराइल के लिए बुरे हैं। वे दोनों को जानते हैं, वास्तव में, लेकिन वे शायद, शायद वे ईरान को बेहतर जानते हों, लेकिन वे देखते हैं कि क्या हो रहा है, और वे मुझसे सहमत थे।

दिल्ली सरकार ने मादक पदार्थ के दुरुपयोग के खिलाफ अभियान शुरू करने की योजना बनाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि 26 जून को 'नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस' के मौके पर दिल्ली सरकार जागरुकता अभियान, नुक्कड़ नाटक और छात्रों की भागीदारी के जरिए एक व्यापक अभियान शुरू करेगी। सिंह ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह अभियान समाज कल्याण, पुलिस और शिक्षा विभागों द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जाएगा जिसमें हाशिए पर पड़े लोगों और कमजोर समुदायों तक पहुंचने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि ''नशा मुक्त, स्वस्थ और सशक्त दिल्ली'' के लक्ष्य को साकार करने के लिए समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। बयान में कहा गया है कि अभियान के तहत नशीले पदार्थों के सेवन के हानिकारक प्रभावों

के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए नुक्कड़ नाटक आयोजित करने की खातिर राष्ट्रीय राजधानी में 64 संवेदनशील स्थानों की पहचान की जाएगी। सिंह ने पोस्टर प्रदर्शनियों, प्रेरणादायी वार्ता और अन्य संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से स्कूल स्तर पर विद्यार्थियों को शामिल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''नशे की लत न केवल लोगों को बल्कि पूरे परिवार को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से प्रभावित करती है।'' उन्होंने कहा कि युवा जागरुकता अभियान में बड़ी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आग्रह किया सार्वजनिक स्थानों पर 'रेडियो जिंगल' और सिनेमाघरों में वीडियो दिखाकर संदेश को मजबूती से लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए। बयान में कहा गया है कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के छात्रों को भी अभियानों और अन्य गतिविधियों में शामिल किया जाएगा।

जनता का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा का हताश प्रयास : आप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को कथित कक्षा निर्माण घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को जनता का ध्यान भटकाने का एक हताश प्रयास बताया और कहा कि पार्टी नेताओं के खिलाफ आरोप राजनीति से प्रेरित है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने राजधानी की पिछली आप सरकार के दौरान हुए कथित 2,000 करोड़ रुपये के कक्षा निर्माण घोटाले की धन शोधन जांच के तहत बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में कई परिसरों पर छापेमारी की। ईडी ने हाल ही में दिल्ली भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा उक्त आरोपों के संबंध में दर्ज प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज करने के बाद यह छापेमारी की। सूत्रों ने बताया कि मामले से जुड़े ठेकेदारों और निजी संस्थाओं के कम से कम 37 परिसरों पर ईडी के अधिकारियों ने छापेमारी की है। छापों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आप ने एक बयान में भाजपा पर लगातार झुग्गियों को ढहाने तथा दिल्ली भर में गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों की आजीविका को नष्ट करने का आरोप लगाया। बयान में कहा गया, ये तथाकथित छापे कुछ और नहीं बल्कि वास्तविकता से जनता का ध्यान हटाने का एक हताश प्रयास है। आरोप निराधार हैं, राजनीति से प्रेरित हैं और केवल भाजपा के जनविरोधी कार्यों से ध्यान हटाने के लिए लगाए गए हैं।

मनपसंद व्यक्ति से विवाह करने का अधिकार संविधान के तहत संरक्षित : उच्च न्यायालय

इलाहाबाद, (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक वयस्क महिला का अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने के निर्णय का उसके परिवार द्वारा विरोध किए जाने की निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की आपत्तियां घृणित हैं। अदालत ने कहा कि अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन जीने और निजी स्वतंत्रता का अधिकार) के तहत संरक्षित है। उक्त टिप्पणी के साथ उच्च न्यायालय ने अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने की इच्छुक 27 वर्षीय महिला को सुरक्षा उपलब्ध कराई। महिला को अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने की इच्छा के कारण अपहरण

किए जाने की आशंका थी। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की पीठ ने कहा, "याचिकाकर्ता परिवार द्वारा 27 वर्षीय महिला के अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने के निर्णय पर आपत्ति करना, घृणित है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक वयस्क को यह अधिकार प्राप्त है।" अदालत ने स्पष्ट किया कि उसे यह नहीं पता कि याचिकाकर्ताओं– घर की महिलाओं, पिता और भाई का वास्तव में अपहरण करने का इरादा है या नहीं, लेकिन यह मामला एक वृहद सामाजिक मुद्दे (संवैधानिक और सामाजिक नियम कायदे के बीच मूल्यों के अंतर) को परिलक्षित करता है। अदालत ने कहा, "इस तरह के अधिकार के प्रयोग के प्रति सामाजिक और पारिवारिक विरोध, संवैधानिक और सामाजिक नियमों के बीच 'मूल्यों के अंतर' को स्पष्ट रूप से चित्रित करता है। जब तक यह अंतर बना रहेगा, इस तरह की घटनाएं होती रहेंगी।" अदालत महिला (चौथी प्रतिवादी) के पिता और भाई द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें महिला द्वारा मिर्जापुर जिले के चिल्ह थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) (अपहरण), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और अन्य के तहत दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। प्राथमिकी में महिला ने अपनी पसंद के व्यक्ति से विवाह करने की इच्छा के खिलाफ उसका अपहरण किए जाने की आशंका व्यक्त की है। हालांकि, अदालत ने प्राथमिकी के संबंध में इन याचिकाकर्ताओं की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है, साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ताओं को महिला के जीवन में या उस व्यक्ति के जीवन में जिससे वह विवाह करना चाहती है, किसी भी तरह का हस्तक्षेप करने से रोका है। अदालत ने 13 जून को दिए अपने आदेश में राज्य सरकार के वकील और महिला को इस मामले में जवाबी हलफनामा दाखिल करने का समय देते हुए इस मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को करने का आदेश दिया।

संपादकीय

मोदी–ट्रंप वार्ता

यह ध्रुव सत्य है कि अमेरिका की तमाम रीतियां व नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। जहां उसे अपने आर्थिक व सामरिक हित नजर आते हैं, वहीं उसकी सभी रीति–नीतियां ठहर जाती हैं। दशकों से आतंक की पाठशाला चला रहे पाकिस्तान को आंतकवाद के खिलाफ कथित साझेदारी के लिये उपकृत करने वाले अमेरिका के मंसूबों को समझा जा सकता है। विडंबना यह है कि पिछले एक महीने से भी ज्यादा समय से अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऑप्रेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान को कथित रूप से युद्ध विराम के लिये सहमत कराने के लिये खुद की ही पीठ थपथपा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उन्होंने दस मई को अमेरिका की मध्यस्थता में देर रात तक बातचीत के दावे के बाद कथित रूप से पूर्ण और तत्काल युद्ध विराम की घोषणा करके दुनिया को चौंका दिया था। पल–पल अपना रुख बदलने के लिये कुख्यात ट्रंप इस विवादास्पद मामले पर अपनी बात मनवाने पर अड़े हुए हैं। मगर बार–बार उनके द्वारा दोहराए जाने वाले दावे भारत की परेशानी का सबब बन रहे हैं। भारत ने ऐतिहासिक रूप से द्विपक्षीय विवादों को तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से दूर रखा है। अब, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिकॉर्ड को सही करने का प्रयास किया है, और वह भी खुद अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि भारत ने इस्लामाबाद के अनुरोध पर ऑप्रेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ हमलों को रोक दिया था, न कि मध्यस्थता या अमेरिका द्वारा किसी व्यापार सौदे की किसी पेशकश के कारण। यह दावा डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रचार को सिरे से खारिज करता है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को समझाने के लिये व्यापार कार्ड का इस्तेमाल किया था। लेकिन इसके बावजूद बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री की सीधी बात ट्रंप को समझ आएगी? क्या ये बातचीत ट्रंप को भारत व पाक मामलों में हस्तक्षेप करने से रोके पाएगी? लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया कारगुजारियों से तो ऐसा होता नजर नहीं आता। पहले बात अमेरिका को स्पष्ट समझा दी जानी चाहिए कि वह भारत व पाक को एक तराजू में तोलने की भूल न करे। हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान जिस तरह ट्रंप प्रशासन ने विवादास्पद पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर को तरजीह दी, उसका कोई तार्किक आधार नजर नहीं आता। बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की लंच पर मेजबानी करके नवीनतम भड़काऊ कदम ही उठाया है। उसे देखते हुए यह संभावना असंभव ही लगती है कि ट्रंप दोनों देशों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बाज आएंगे। यह वही मुनीर आलम है जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले से बमुश्किल एक सप्ताह पूर्व कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था। इसके अलावा उन्होंने संकीर्ण सांप्रदायिक टिप्पणियां भी की थी। यह बात अतार्किक ही लगती है कि अमेरिका पाक को अपने साथ आतंकवाद विरोधी साझेदारी को मजबूत करने में उनकी भूमिका के लिये पुरस्कृत कर रहा है। दोनों देशों के बीच पक रही यह खिचड़ी भारतीय कूटनीति के लिये एक बड़ी चुनौती कही जा सकती है। मोदी सरकार को पाकिस्तान को खुले समर्थन को लेकर अमेरिका का सामना करने के पक्ष और विपक्ष के हमलों का मुकाबला करना होगा।

अस्वस्थ प्रतियोगिता से दांव पर विश्वसनीयता

विश्वनाथ

बहुत पुरानी बात है। सातवीं–आठवीं कक्षा में पढ़ता था मैं। किसी शब्द को लेकर एक मित्र से बहस हो गयी। मुद्दा शब्द के हिज्जों का था। मुझे अच्छी तरह से याद है कि मैंने 'ब्रह्मास्त्र' चलाते हुए कहा था, मैंने अखबार में पढ़ा है, यह शब्द ऐसे ही लिखा जाता है। और बहस समाप्त हो गयी थी। मेरे तर्क को सुनकर मित्र ने हथियार डाल दिये थे। वह जीत मेरी नहीं, अखबार की थी। उस समय हमारे दिमागों में यह बात बिठा दी गयी थी कि अखबार की बात पर विश्वास करना चाहिए। वास्तव में यह सारा मुद्दा अखबार या मीडिया की विश्वसनीयता का था। उस समय के मीडिया ने, यानी अखबारों ने

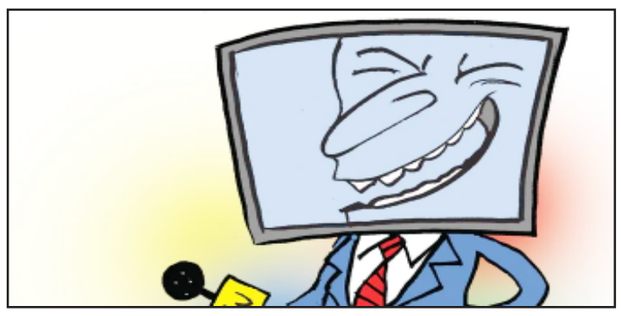

अपने पाठकों का विश्वास अर्जित किया था। अखबार में लिखने वाला यह जानता था कि पाठक उसकी बात पर भरोसा करता है और इसलिए वह यह भी मानता था कि इस भरोसे को बनाये रखना उसके अस्तित्व तथा सार्थकता की शर्त है। अखबार पढ़ने वाला भी इस विश्वास के साथ पढ़ता था कि अखबार में लिखा है, इसलिए यह सही होगा। पारस्परिक भरोसे का यह रिश्ता आज भी खत्म नहीं हुआ है। अखबार पढ़ने वाला या टीवी पर समाचार देखने–सुनने वाला आज भी यह मानना चाहता है कि वह जो पढ़ रहा या देख रहा है, वह सही है। पर दुर्भाग्य से, विश्वास का यह रिश्ता आज कमजोर पड़ गया है। आज मीडिया विश्वसनीयता खोता नजर आता है। कारण है इस स्थिति के बनने का। अब मीडिया मिशन नहीं रहा, जैसा कि पहले था। व्यापार बन चुका है अधिकांश मीडिया। यह जानकारी भी अब हैरान नहीं करती कि देश के सबसे बड़े मीडिया संस्थान के मालिक ने खुलेआम इस बात को स्वीकारा है कि वह खबरों में नहीं, आर्थिक प्राथमिकताओं में लगे हैं। ऐसी स्थिति में विश्वसनीयता का बने रहना संभव भी कैसे हो सकता है? मीडिया की दुनिया में आजकल एक शब्द बहुत तेजी से चल रहा हैदृटीआरपी। इस शब्द का मतलब है टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट। किसी कार्यक्रम या चौनल की लोकप्रियता को मापने के लिए यह एक माप है। टीआरपी जितनी ज्यादा होगी, चौनल को उतना ही ज्यादा व्यावसायिक लाभ होगा। अधिकाधिक लाभ कमाने की एक दौड़ चल रही है मीडिया में, मीडिया की सारी विश्वसनीयता इसी प्रतियोगिता का शिकार बनती जा रही है।

यह टीआरपी बढ़ाने का मंत्र है, सबसे पहले, सबसे आगे! हर समाचार चौनल इस कोशिश में लगा रहता है कि वह समाचार सबसे पहले दे, सबसे आगे रहे। इसी आधार पर विज्ञापन मिलते हैं। मीडिया को इस बात की तनिक भी चिंता नहीं लगती कि इस घटिया प्रतियोगिता में दांव पर उसकी सार्थकता लगी है। पर मीडिया को भला इसकी चिंता क्यों हो? सबसे पहले की इस दौड़ का, और उसके नतीजों का, ताजा उदाहरण 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देखा गया। देश पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला कर रहा था। लगातार सफल हो रहे थे हम। तभी पाकिस्तान के ताजा हालात की खबरें आने लगीं। हमारे टीवी चौनलों में जैसे पाकिस्तान की खबरें देने की होड़ लग गयी। एक के बाद एक दूसरा 'स्कूप' सामने आ रहा थादृ 'भारतीय सेना पाकिस्तान में घुस गयी', 'पाकिस्तानी सेना प्रमुख गिरफ्तार', 'पाक–सेना का आत्म–समर्पण', '1971 के बाद कराची सबसे बुरा सपना देख रहा है', जैसे समाचार लगातार प्रसारित होने लगे। देश में खुशी की लहर दौड़ना स्वाभाविक था। पर यह खुशी खत्म भी जल्दी ही हो गयी। देश ने हैरानी से देखा कि भारतीय सेना के शौर्य और विजय के नाम पर जो कुछ बताया–दिखाया जा रहा था, वह सब सही नहीं था। अमेरिका के एक प्रसिद्ध अखबार 'वॉशिंगटन पोस्ट' ने एक पूरे पृष्ठ में भारतीय सेना के अभियान का 'सच' बताया है। निस्संदेह आतंकी ठिकानों पर भारत की सटीक मार के समाचार सही थे, हमारे ड्रोनों के कारनामे भी सही थे, पर वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार कराची, लाहौर जैसे स्थानों पर भारतीय हमलों, पाकी सेनाध्यक्ष की गिरफ्तारी जैसे समाचारों में कोई सच्चाई नहीं थी। कतई जरूरी नहीं है कि हम किसी अमेरिकी अखबार के 'स्कूप' को सही मानें ही, पर भारत ने 'वॉशिंगटन पोस्ट' की बातों का कोई खंडन नहीं किया है, इसलिए उन्हें सहज ही गलत भी नहीं कहा जा सकता। बहरहाल, सवाल किसी विदेशी अखबार द्वारा प्रसारित बातों के औचित्य का नहीं है। सवाल यह है कि हमारे देश के समाचार चौनलों ने बिना किसी जांच के वह सब क्यों दिखाया जो सही सिद्ध नहीं हो रहा है। बताया गया कि इन समाचारों का मूल भारत के आधिकारिक चौनल प्रसार भारती के एक समाचार में था। संस्थान के किसी 'सूत्र' ने आधी रात को टेलीफोन पर किसी भारतीय पत्रकार को पाकिस्तान से संबंधित खबरों की जानकारी दी थी। बात फैलने में देर नहीं लगी। समाचार चौनलों में 'सबसे पहले' की होड़ लगी गयी! बाद में कुछ चौनलों ने अपनी हड़बड़ी के लिए खेद भी व्यक्त किया, पर इससे यह तथ्य नहीं बदलता कि टीआरपी के लालच में हमारा मीडिया कुछ भी कर सकता है। हमारे विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने यह अवश्य कहा है कि 'वाशिंगटन पोस्ट' भारत के खिलाफ दुश्मनी भरा रवैया रखता है पर इससे भी इस तथ्य की गंभीरता कम नहीं हो जाती कि हमारे मीडिया को अपनी विश्वसनीयता की कोई चिंता नहीं है। यही नहीं, हमारे चौनल तो अब यह कह रहे हैं कि भले ही दिखाये गये समाचार सही नहीं हों, पर वे भारत–विरोधी समाचार नहीं थे। एक बड़े चौनल के एक बड़े एंकर ने तो स्पष्ट कहा है, 'हर चौनल ने कम से कम एक गलती की, लेकिन हमारी एक भी गलती इस देश के खिलाफ नहीं थी।' पर सवाल देश के खिलाफ या पक्ष में होने का नहीं है, सवाल मीडिया की विश्वसनीयता का है और इस बात को स्वीकार किया जाना चाहिए कि 'पाकिस्तान की हार' के नाम पर हमारे मीडिया में जो आधारहीन बातें दिखाई गयीं, उससे हमारे मीडिया की छवि और धूमिल ही हुई है। पिछले एक दशक में टीवी समाचारों में स्वतंत्रता की कमी के आरोप अक्सर लगते रहे हैं। यह भी कहा जाता रहा है कि समाचार चौनल सरकारी बातों को दोहराते रहते हैं। मीडिया का एक बहुत बड़ा वर्ग अब 'राजाश्रय' के नाम से जाना जाता है। आरोप यह है कि यह वर्ग आधारहीन तथ्यों और 'विश्लेषणों' द्वारा सत्ता के पक्ष में वातावरण बनाने का काम कर रहा है। हो सकता है कि इसके बदले में उसे सरकारी विज्ञापनों का उपहार मिलता हो। वाशिंगटन पोस्ट में दावा किया गया है कि चौनलों और एंकरों के हवाले से उसने अपनी रिपोर्ट में जो कुछ लिखा है उसके बारे में स्पष्टीकरण के लिए संबंधित पक्षों से आग्रह किया गया था, पर किसी ने उत्तर नहीं दिया।

संघर्ष से उपजी चुनौतियों के बीच व्यापार घाटे की चिंता

डॉ. जयंतीलाल

इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध से जहां दुनिया में तेल के दाम में पिछले मई माह की तुलना में तेजी है, वहीं इससे भारत के समक्ष व्यापार घाटे की चुनौती बढ़ गई है। साथ ही इससे रुपये पर दबाव पड़ने की भी आशंका है। चूंकि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का करीब 85 प्रतिशत आयात करता है, ऐसे में इस युद्ध के लंबा खिंचने और रूस–यूक्रेन संघर्ष के साथ–साथ लाल सागर संकट के कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि भारत के आयात बिल को बढ़ाते हुए व्यापार घाटे को और बढ़ा सकती है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान भारत से कुल माल और सेवाओं का निर्यात 824 अरब डॉलर रहा है। जबकि भारत का कुल आयात 918 अरब डॉलर रहा। ऐसे में पिछले वर्ष व्यापार घाटा करीब 94 अरब डॉलर रहा है। इसके पूर्ववर्ती वर्ष 2023–24 में भारत का व्यापार घाटा करीब 78 अरब डॉलर रहा था। ऐसे में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के साथ वैश्विक व्यापार में कमी आने की आशंका से भारत का व्यापार घाटा इस वर्ष 2025–26 में और बढ़ सकता है। मौजूदा हालात में भारत आयात बिल बढ़ने की चुनौती के मद्देनजर रणनीतिपूर्वक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की चुनौती को कम कर सकता है। भारत ने अमेरिका की रूस से कच्चा तेल न खरीदने संबंधी किसी चेतावनी पर ध्यान न देते हुए पिछले वर्ष 2024–25 में 50 अरब डॉलर मूल्य का रूसी कच्चा तेल खरीदा है। यह भारत के कच्चे तेल के कुल आयात बिल का करीब 35 फीसदी है। यूक्रेन के साथ युद्ध के कारण प्रतिबंध लगने के बाद रूस ने रियायती कीमतों पर अपना कच्चा तेल बेचना शुरू किया था। भारत ने इस मौके का फायदा उठाते हुए अपने कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़ाई। ऐसे में भारत रूस का सहारा मिलने से कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों के उछाल से बचते हुए व्यापार घाटे की चिंताओं से भी कुछ बच सकेगा। इतना ही नहीं, भारत ने सफलतापूर्वक अपने तेल आयात के स्रोतों का विस्तार कर लिया है और जरूरत के हिसाब से इन स्रोतों का उपयोग करके व्यापार घाटे में बढ़ोतरी रोकी जा सकेगी। निरूसंदेह युद्ध की चुनौती के बीच चीन से आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा नियंत्रित करना होगा। हाल ही प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024–25 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023–24 में 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024–25 में 127.7 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच 2023–24 में 118.4 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। वस्तुतः चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए हैं, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है। ऐसे में भारत के साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहे चीन से व्यापार घाटा कम करने के लिए सरकार को और अधिक कारगर प्रयास करने होंगे। साथ ही अब एक बार फिर से देश के करोड़ों लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। निश्चित रूप से सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) से निर्यात बढ़ाते हुए आयात नियंत्रित करके व्यापार घाटा कम कर सकते हैं। इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं। ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति शृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं।

..... विविध .....

पेशाब करते समय नजर आ जाते हैं पथरी के ये लक्षण

क्या पेशाब करते समय आपको दर्द या जलन महसूस होती है? ये सब गुर्दे (किडनी) या मूत्र मार्ग की पथरी (स्टोन) के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। यह स्थिति तब होती है जब किडनी में खनिज और लवण जमकर एक कठोर ढांचा बना लेते हैं जिसे प्थरीष् कहा जाता है। आइए जानते हैं इसके कारण, लक्षण और बचाव के बारे में

गुर्दे की पथरी के लक्षण

पेशाब करते समय दर्द – इससे जलन या चुभन जैसा महसूस हो सकता है, यह दर्द धीरे–धीरे तेज हो सकता है।

पेशाब में पथरी के कण नजर आनारू छोटी पथरी या कण पेशाब के रास्ते बाहर आ सकते हैं, यह प्रक्रिया बेहद दर्दनाक हो सकती है

पेशाब में खून आना– पथरी की वजह से पेशाब की नली में खरोंचें आ सकती हैं, जिससे हल्का गुलाबी या लाल रंग का पेशाब आता है।

बार–बार पेशाब आना– जब पथरी की समस्या होमी है तब बार–बार पेशाब का एहसास होता है, पर बहुत कम मात्रा में आता है

पीठ, पेट या कमर में तेज दर्द – यह दर्द अचानक और असहनीय हो सकता है, कभी–कभी यह दर्द जांघ या जननांग तक फैल सकता है

कब डॉक्टर से संपर्क करें

– जब दर्द बहुत तेज हो

– जब पेशाब में बार–बार खून आए

– जब बुखार, ठंड लगना या पेशाब बंद हो जाए

– जब पेशाब में बदबू या रंग गहरा हो

इलाज के विकल्प

डॉक्टर की सलाह पर दर्द से राहत देने वाली पथरी को घुलाने या बाहर निकालने वाली दवाइयों का इस्तेमाल करें। दिन में 3–4 लीटर पानी पीने की सलाह दी जाती है, इससे छोटी पथरी बाहर आ सकती है। डॉक्टर की सलाह पर नींबू पानी, नारियल पानी, अजवाइन का पानी, गोखरू आदि का सेवनकरें। जब पथरी बड़ी हो या पेशाब की नली में फंस गई हो तो सर्जरी या लेजर ट्रीटमेंट किया जाता है।

विटामिन होगा कम तो किसी शेंपू-तेल का नहीं होगा असर

आजकल के बदलते लाइफस्टाइल और खानपान की वजह से कम उम्र में भी बालों से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं। सुंदर, घने और मजबूत बाल हर किसी की ख्वाहिश होते हैं, लेकिन कई बार महंगे प्रोडक्ट्स और घरेलू नुस्खे भी काम नहीं करते। इसका मुख्य कारण अक्सर यह होता है कि हमारे शरीर को सही पोषण नहीं मिल पाता, और इसका असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। पोषक तत्वों की कमी के कारण बाल कमजोर और झड़ने लगते हैं। आइए जानते हैं कि कौन से महत्वपूर्ण विटामिन बालों के लिए फायदेमंद हैं और इन्हें अपनी डाइट में कैसे शामिल करें।

बायोटिन (विटामिन B7)

बायोटिन, जिसे विटामिन B7 भी कहा जाता है, बालों के लिए बेहद फायदेमंद है। बायोटिन की कमी से बालों में टूट–फूट, झड़ना और खिचाव हो सकता है। यह केराटिन के उत्पादन को बढ़ावा देता है, जो बालों को स्वस्थ और मुलायम बनाता है। आप बायोटिन से भरपूर आहार जैसे अंडे, नट्स, बीन्स और हरी पत्तेदार सब्जियां खा सकते हैं।

विटामिन ।

विटामिन । न सिर्फ आंखों के लिए अच्छा है, बल्कि यह बालों के लिए भी फायदेमंद है। यह बालों को मॉइश्चराइज रखने में मदद करता है, जिससे वे मुलायम और स्वस्थ रहते हैं। विटामिन । के अच्छे स्रोतों में गाजर, शकरकंद, हरी पत्तेदार सब्जियां और फल शामिल हैं।

विटामिन E

विटामिन E की कमी से बालों की सेहत पर नकारात्मक असर पड़ता है। इससे बाल सूखे और कमजोर हो सकते हैं। विटामिन E से भरपूर आहार जैसे पालक, ब्रोकली, कीवी, बादाम और सूरजमुखी के बीज खाने से बालों की समस्याओं से राहत मिल सकती है। यह बालों को पोषण देता है और बालों के झड़ने को रोकने में मदद करता है।

विटामिन D

विटामिन D की कमी से बालों का झड़ना बढ़ सकता है। यदि शरीर को पर्याप्त विटामिन क नहीं मिलता है, तो बाल कमजोर और पतले हो सकते हैं। विटामिन क के अच्छे स्रोतों में धूप, मछली, अंडे और वितजपपिमक दूध शामिल हैं। रोजाना थोड़ी देर धूप में बैठने से शरीर में विटामिन D का स्तर बढ़ सकता है। बालों को स्वस्थ रखने के लिए सही पोषण बेहद जरूरी है। सही विटामिन और पोषक तत्वों को अपनी डाइट में शामिल करके आप बालों की समस्याओं से निजात पा सकते हैं। इसके अलावा, अगर आप किसी खास समस्या से परेशान हैं, तो डॉक्टर से परामर्श जरूर लें।

आखिर क्यों प्रेग्नेंसी में नदी पार करने की होती है मनाही

प्रेग्नेंसी महिलाओं के जीवन का एक खास और चुनौतीपूर्ण दौर होता है। इस दौरान महिलाओं के शरीर और मन में हर हफ्ते नए बदलाव आते हैं। लेकिन साथ ही, कई ऐसी बातें भी सुनने को मिलती हैं जो भ्रमित कर देती हैं। खासकर परिवार के बुजुर्गों द्वारा बताई गई कुछ परंपरागत बातें जिन्हें कई बार बिना सोचे–समझे मान लिया जाता है। इनमें से एक है प्रेग्नेंसी के दौरान नदी पार करके यात्रा न करने का नियम।

नदी पार करने से गर्भपात का खतरा?

भारतीय गांवों और बुजुर्गों का मानना है कि गर्भवती महिलाओं को नदी पार नहीं करनी चाहिए और नदी के पास भी नहीं जाना चाहिए। लेकिन क्या इसके पीछे कोई वैज्ञानिक वजह है? डॉक्टरों का कहना है कि गर्भावस्था के पहले 14 सप्ताह और अंतिम 8 सप्ताह सबसे नाजुक होते हैं। इस समय किसी भी तरह की तनावपूर्ण या लंबी यात्रा गर्भपात या समय से पहले प्रसव का खतरा बढ़ा सकती है। इसलिए इस दौरान ज्यादा लंबी या कठिन यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है।

पुराने समय में यात्रा की चुनौतियां

भारत के कई शहर और गांव नदियों के किनारे बसे हैं। पहले के समय में, जब आज के जैसे यातायात की व्यवस्था नहीं थी तो लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए नाव से नदी पार करनी पड़ती थी या खराब रास्तों से गुजरना पड़ता था। ऐसे कठिन सफर में गर्भवती महिलाओं के लिए यात्रा करना और भी मुश्किल था। इसलिए बुजुर्गों ने ऐसा नियम बनाया कि गर्भवती महिलाएं नदी पार न करें।

आज के आधुनिक युग में भी गर्भवती महिलाओं के लिए यात्रा कुछ हद तक जोखिम भरी हो सकती है। खासकर हवाई यात्रा में केबिन का दबाव गर्भावस्था के शुरुआती चरणों में परेशानी पैदा कर सकता है। हालांकि अब बेहतर तकनीक के कारण ये समस्या कम हो गई है लेकिन हवाई यात्रा में थक्के बनने का खतरा रहता है जो बच्चे और मां दोनों के लिए खतरनाक हो सकता है। ट्रेन में भी भीड़–भाड़, गति और चलने की स्थिति से गर्भाशय में संकुचन हो सकता है जिससे समय से पहले प्रसव हो सकता है। इसके अलावा, लंबे समय तक सफर में महिला को असुविधा भी हो सकती है।

किन हालात में यात्रा पूरी तरह मना है?

यदि महिला का पहले से गर्भपात का इतिहास हो या कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो तो सफर करने से मना किया जाता है। कभी–कभी डॉक्टर समय से पहले प्रसव के खतरे को देखते हुए भी यात्रा पर रोक लगा सकते हैं। ऐसी स्थिति में गर्भाशय को आराम देने वाली दवाइयां भी दी जा सकती हैं।

यात्रा के दौरान ध्यान रखने वाली सावधानियां

यात्रा से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। यदि आपकी गर्भावस्था हाई रिस्क वाली है तो बिना जरूरी वजह यात्रा न करें। यात्रा में मोशन सिकनेस से बचने के लिए हल्का भोजन करें और सुरक्षित दवाइयां साथ रखें। ऐसी जगहों की यात्रा करें जहां आपातकालीन मेडिकल सुविधा उपलब्ध हो। भीड़–भाड़ वाले जगहों पर मास्क पहनें। हाथों को बार–बार धोएं या सैनिटाइज करें। स्वच्छ भोजन और पानी का सेवन करें। खुद को हाइड्रेटेड रखें और लंबे सफर के दौरान समय–समय पर चलें।

बिना डॉक्टर की सलाह के यात्रा न करें

इतनी जबरदस्त हैं ये 3 चीजें की नहीं बनेंगे कभी कैंसर, हफ्ते में 1 बार खाओ

कैंसर और लाइफस्टाइल का एक दूसरे से गहरा कनैक्शन है। कई स्टडीज से यह साबित हो चुका है कि हमारी रोजमर्रा की आदतें जैसे भोजन, व्यायाम, नींद, तम्बाकू और शराब का सेवन–कैंसर के खतरे को कम या ज्यादा करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाती हैं। अनहैल्दी लाइफस्टाइल जैसे– फास्ट फूड, बहुत ज्यादा मैंटल स्ट्रेस, शारीरिक थकान और धूम्रपान से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। वहीं दूसरी ओर, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और तनाव–नियंत्रण जैसी सकारात्मक आदतें न सिर्फ कैंसर से बचाव करती हैं, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती हैं इसलिए जीवनशैली में छोटे–छोटे बदलाव लाकर हम एक बड़ी बीमारी से खुद को बचा सकते हैं।

कैंसर का काल है 3 चीजें, खा ली तो नहीं बनेंगे कैंसर सेल्स

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए हमारी रोजमर्रा की डाइट में कुछ खास चीजों को शामिल करना बेहद जरूरी है। बहुत से फूड्स ऐसे हैं जो कैंसर से लड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं इसलिए आपकी डाइट में यह फूड्स शामिल होने बहुत जरूरी है। खासकर 3 ऐसे फूड्स जो कैंसर के काल माने जाते हैं। वह तीन चीजें हैं ब्रोकली, टमाटर और ब्लूबैरी।

विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रोकली, टमाटर और ब्लूबैरी को कैंसर के सबसे बड़े दुश्मन माना जाता है। ब्रोकली में मौजूद सल्फोराफेन तत्व कैंसर सेल्स को पनपने से रोकता है।

वहीं टमाटर में पाया जाने वाला लायकोपीन प्रोस्टेट और स्तन कैंसर से बचाव में मददगार है।

ब्लूबैरी में भरपूर एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाकर कैंसर के खतरे को कम करते हैं। अगर आप इन तीन चीजों को अपनी डेली डाइट में शामिल कर लें तो कैंसर सेल्स को बनने से पहले ही रोका जा सकता है।

कैंसर से लड़ने वाले आहार जो खाने जरूरी

ब्रोकली और अन्य हरी सब्जियां

ब्रोकली, पालक, गोभी, मेथी जैसी सब्जियों में सल्फोराफेन होता है, जो कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है।

हल्दी

इसका सक्रिय तत्व कर्क्यूमिन सूजन को कम करता है और कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने में मदद करता है।

अदरक और लहसुन

1830 में किंतूर से गए थे खामनेई के दादा, पोते ने बदल दी तस्वीर

लखनऊ, (संवाददाता)। आज पूरी दुनिया ईरान–इस्त्राइल के बीच छिड़े युद्ध से परेशान दिख रही है। दोनों देशों द्वारा एक दूसरे पर खतरनाक मिसाइलों व ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि ईरान के वर्तमान शासक से बाराबंकी जिले का गहरा रिश्ता है। जिले का किंतूर वही गांव है जहां से जुड़े लोगों ने ही ईरान में बगावत की कहानी लिखी थी। इसने ईरान की तत्कालीन सरकार का तख्तापलट कर एक नई इस्लामी हुकूमत कायम की। किंतूर से ईरान गए सैय्यद अहमद मूसवी के पोते रूहुल्लाह खामनेई के उत्तराधिकारी ही आज ईरान के सर्वोच्च नेता है और इस्राइल से जंग लड़ रहे हैं। करीब 230 साल पहले 1790 में सिरौलीगौसपुर तहसील के किंतूर गांव के एक धार्मिक परिवार में सैय्यद अहमद मूसवी का जन्म हुआ था। पढ़ाई–लिखाई के बाद 1830 में 40 साल की उम्र में अहमद मूसवी अवध के नवाब के साथ धर्म यात्रा पर इराक गए थे। इराक से दोनों ईरान पहुंचे और अहमद मूसवी वहीं के एक गांव खुमैन में बस गए। अहमद मूसवी ने अपने नाम के आगे उपनाम हिंदी जोड़ा ताकि यह अहसास बना रहे कि वह हिंदुस्तान से हैं। इसके बाद लोग उन्हें सैय्यद अहमद मूसवी हिंदी के नाम से पहचानने लगे। अहमद मूसवी के परिवार में कई विद्वान हुए। उनके पोते रूहुल्लाह अयातुल्ला खामनेई के नाम से मशहूर हुए। पिता की मौत के बाद मां और भाई ने मिलकर उन्हें पाला और पढ़ाया। रूहुल्लाह बहुत तेज थे। उन्होंने धर्म की पढ़ाई के साथ–साथ दुनिया के बड़े दार्शनिकों की किताबें भी पढ़ीं। उस समय ईरान में पहलवी खानदान का राज था। राजा जनता पर जुल्म करता था और पश्चिमी देशों के इशारे पर चलता था। खामनेई ने इसका खुलकर विरोध किया। इसके बाद राजा ने उन्हें देश से निकाल दिया। राजा ने सात जनवरी 1978 को ईरान के एक अखबार में खुमैनी को भारतीय एजेंट बता दिया। इसके बाद ईरान की सड़कों पर खामनेई के पक्ष में आम लोग उतर आए। 16 जनवरी 1979 को राजा ईरान छोड़कर भाग गया। एक फरवरी 1979 को अयातुल्ला खामनेई 14 साल के बाद वापस ईरान आए। इसके बाद 11 फरवरी 1979 में ईरान में इस्लामी सरकार बनी। खामनेई ईरान के पहले सुप्रीम लीडर घोषित किए गए। अब मूसवी की चौथी पीढ़ी ईरान पर शासन कर रही है।

इस्राइल के खिलाफ हैं किंतूर के लोग

किंतूर गांव के प्रधान मो. अकरम ने बताया कि हमारी सोच अपने देश भारत के साथ है। वर्तमान में चल रहे युद्ध में हम लोग ईरान के साथ है। अमेरिका व इस्राइल बेगुनाहों का खून बहा रहे हैं। किंतूर गांव में रहने वाले आदिल खुमैनी के वंशज बताए जाते है। हालांकि उन्होंने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

कानपुर के सीएमओ हरिदत्त नेमी निलंबित किए गए, डीएम से विवाद का ऑडियो हुआ था वायरल

लखनऊ, (संवाददाता)। कानपुर के जिलाधिकारी जेपी सिंह और सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी के बीच हुए विवाद के तूल पकड़ने के बाद सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी को निलंबित कर दिया गया है। उनकी जगह डॉ. उदय नाथ को कानपुर नगर का मुख्य चिकित्साधिकारी तैनात किया गया है। वह अभी तक अपर मुख्य चिकित्साधिकारी श्रावस्ती के पद पर तैनात थे। बता दें कि कानपुर में जिलाधिकारी पर टिप्पणी करने वाला सीएमओ का कथित ऑडियो वायरल होने के बाद डीएम बनाम सीएमओ के मामले ने तूल पकड़ लिया। इसमें सीएमओ के बचाव में विधानसभा अध्यक्ष सहित तीन जनप्रतिनिधि भी उतर आए। वहीं, बिठूर विधायक ने मुख्यमंत्री से डीएम के समर्थन में पत्र लिखकर अपील की है। इस मामले की चर्चा कानपुर से लेकर लखनऊ तक हो रही है। महाना के अलावा गोविंदनगर विधायक सुरेंद्र मैथानी, एमएलसी अरुण पाठक की ओर से सीएमओ को महानगर से नहीं हटाने का पत्र प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को लिखा था। इन सभी का पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि इन जनप्रतिनिधियों ने यह भी कहा है कि यदि डीएम ने सीएमओ के खिलाफ कोई अनियमितता या कार्य में लापरवाही

पकड़ी है, तो उस पर वह कड़ी कार्रवाई करें। डीएम को लेकर सीएमओ के वायरल ऑडियो के विवाद को लेकर सीएमओ हरिदत्त नेमी ने अपना पक्ष रखा था। उन्होंने स्वीकार किया कि डीएम ने उनको बैठक से बाहर जाने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार भी किया। उनका कहना था कि व्यवस्था सुधारने के लिए उनकी सख्ती से नाखुश लोगों ने ही उनके बारे में डीएम को गलत फीड किया। सीएमओ डॉ. नेमी ने कहा कि डैश बोर्ड की बैठक से बाहर निकाला जाना उनके लिए अपमानजनक स्थिति रही। कुछ लोगों ने ऑडियो क्लिप बनवाकर सोशल मीडिया पर डाल दी। क्लिप से उनका कोई लेना–देना नहीं है। विभागीय पटल बदल देने से विभाग के कुछ लोग उनसे नाराज हो गए। इसके अलावा एक फर्म का उन्होंने भुगतान रोक दिया था। यह फर्म दवा सप्लाई करती है।

संक्षिप्त खबरें

कम छात्र होने की दशा में प्राथमिक स्कूलों का विलय होना शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों के विलय (पेयरिंग) के विरोध के बीच इसकी प्रक्रिया गति पकड़ रही है। इसके तहत गोरखपुर में एक विद्यालय के विलय का आदेश जारी कर दिया गया है। वहीं शिक्षक संगठनों के साथ प्रतियोगी छात्र भी इसके विरोध में उतर आए हैं। बुधवार को उन्होंने एक्स पर श्स्सेव विलेज स्कूलश्श के नाम से व्यापक अभियान चलाया। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षक–छात्र अनुपात बेहतर करने की कवायद के बीच पिछले दिनों कम छात्र संख्या वाले स्कूलों के बच्चों को पास के स्कूलों में शिफ्ट करने का निर्देश जारी किया गया है। इसे लेकर जिलों में काफी तेजी से कवायद चल रही है। इसी क्रम में गोरखपुर में प्राथमिक विद्यालय मिर्जवा बाबू को प्राथमिक विद्यालय रउतैनिया बाबू से (पेयरिंग) करने की संस्तुति की गई है। वहीं इसका विरोध भी तेज हो गया है। प्रतियोगी छात्रों ने बुधवार को एक्स पर अभियान चलाया। इसमें सवा लाख से अधिक ट्वीट हुए। बीटीसी संघ के प्रदेश अध्यक्ष नीतेश पांडेय व डीएलएड मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विशु यादव ने स्कूलों के विलय का विरोध करते हुए कहा कि इस निर्णय से ग्रामीण क्षेत्र में नौनिहालों को शिक्षा से वंचित रहना

पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह आरटीई एक्ट का भी उल्लंघन है। अगर सरकारी स्कूलों में नामांकन घट रहा है तो इसका समाधान शिक्षक और संसाधन बढ़ाकर किया जाए, न कि स्कूलों का विलय कर। शिक्षकों के खाली पदों को भरा जाए। इसी क्रम में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय तिवारी व प्रदेश महामंत्री उमाशंकर सिंह ने सरकार से छात्र, शिक्षा व शिक्षक को प्रभावित करने वाले इस निर्णय को तुरंत वापस लेने की मांग की है। साथ ही कहा है कि ऐसा न करने पर संघ बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों की एक किलोमीटर की परिधि में किसी भी प्राइवेट स्कूल को मान्यता न देने का प्रावधान है। फिर भी विभागीय अधिकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए परिषदीय विद्यालयों के एक किलोमीटर की परिधि में ही प्राइवेट स्कूलों को मान्यता दिए हुए हैं। सरकार पहले अभियान चलाकर गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद करे। उसके बाद परिषदीय स्कूलों के एक किलोमीटर की परिधि में दिए गए सभी नियम विरुद्ध मान्यता को वापस ले।

सोनभद्र के रास्ते यूपी पहुंचा मानसून, इन 16 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में बुधवार रात को मानसून ने दस्तक दे दी। जल्द ही पूरे प्रदेश में झमाझम बारिश देखने को मिलेगी। मानसून की दस्तक से लोगों को लू और तपिश भरी गर्मी से राहत मिली। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि दक्षिण–पश्चिम मानसून ने सोनभद्र के रास्ते प्रदेश में प्रवेश किया। इसके असर से सोनभद्र, गाजीपुर, बलिया, वाराणसी में बुधवार को बारिश की शुरुआत हुई। पूर्वी–दक्षिणी यूपी से शुरू हुआ बारिश का यह दौर जल्द ही पूरे प्रदेश में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार बृहस्पतिवार को प्रदेश के पूर्वी और तराई के 16 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। वहीं 35 जिलों में गरज–चमक के साथ बिजली गिरने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान इन जगहों पर 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी। तराई के कुल इलाकों में बुधवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई। प्रदेश में कहीं भी लू की परिस्थिति नहीं रही। दक्षिणी–पश्चिमी मानसून के अगले दो–तीन दिनों में प्रदेश के बाकी हिस्सों तक पहुंचने के संकेत हैं। इसके साथ ही प्रदेश में तपिश भरी गर्मी का दौर खत्म होगा और लोगों को राहत मिलेगी। 19 व 20 जून को पूर्वी और पश्चिमी यूपी के विभिन्न इलाकों में मध्यम से भारी बारिश के संकेत हैं।– अतुल कुमार सिंह, वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक

यहां भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

चित्रकूट, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, भदोही, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच व आसपास के इलाकों में।

इन जिलों में है वज्रपात का अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर व आसपास के इलाकों में।

हाईवे पार करते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आए चौकीदार की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। रायबरेली–अयोध्या हाईवे पर अलीनगर गांव के पास बुधवार रात सड़क पार कर रहे राजेश गुप्ता (45) अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। हादसे में गंभीर रूप से घायल राजेश को ट्रॉमा सेंटर लाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। राजेश की बहन सलोनी ने बताया कि वह रात भोजन के बाद गांव के पास स्थित एक मैरिज लॉन की रखवाली करने जा रहे थे। हाईवे पार करते समय एक तेज रफ्तार वाहन चालक ने उन्हें रौंद दिया। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। आनन फानन मौके पर पहुंचे परिजनों ने युवक को गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान घायल ने दम तोड़ दिया। एसओ तनुज पाल ने बताया कि बहन सलोनी की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। वाहन और चालक की तलाश की जा रही है, जल्द गिरफ्तारी संभव है। पिता की मौत से परिवार गहरे सदमे में है। मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करने वाले राजेश गुप्ता के निधन के बाद पत्नी रामावती बेसुध हैं। बेटा विष्णु (18), अंशू (15), अंशुमान (12) गहरे शोक में हैं। बेटी शिल्पी विवाहित है, लेकिन पिता की मौत से वह भी टूट गई है। बहन सलोनी ने दाह संस्कार की तैयारी शुरू की, लेकिन परिजन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और शव का इंतजार करते बिलखते रहे।

संक्षिप्त खबरें

भसीन इंफोटेक की संपत्तियां ईडी ने कीं जब्त

लखनऊ, (संवाददाता)। नोएडा के भसीन इंफोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (बीआईआईपीएल) और इसके निदेशक सतिंदर सिंह भसीन की 27.01 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को प्रवर्तन निदेशालय ने जब्त कर लिया है। जब्त की गई संपत्ति पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन के डी–24 में स्थित आवासीय मकान है, जो मुख्य आरोपी सतिंदर सिंह भसीन के नाम पर है। इसका वर्तमान बाजार मूल्य 44.06 करोड़ रुपये से अधिक है। ईडी ने नोएडा पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि भसीन इंफोटेक, ग्रैंड वेनिस समूह की संस्थाएं, सतिंदर सिंह भसीन, क्विंसी भसीन और अन्य आरोपियों ने वाणिज्यिक इकाइयों की समय पर डिलीवरी का वादा करके रियल एस्टेट परियोजनाओं में निवेशकों से सैकड़ों करोड़ रुपये जुटाए थे, जो कभी पूरे नहीं हुए या सौंपे नहीं गए। निवेशकों की रकम को समूह की कंपनियों और सहयोगी संस्थाओं में डायवर्ट किया गया, जिनको सतिंदर सिंह भसीन, हरप्रीत सिंह छाबड़ा, अजय धवन द्वारा नियंत्रित किया जाता था। वहीं दूसरी ओर ईडी ने शाइन सिटी घोटाले में प्रयागराज निवासी जावेद की 55 लाख रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। ईडी ने उसके बैंक खाते में जमा रकम को जब्त किया है। ईडी ने शाइन सिटी ग्रुप ऑफ कंपनीज के खिलाफ प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज 554 एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। जांच में पता चला कि आरोपी व्यक्तियों, सहयोगियों और प्रमोटरों ने कई कंपनियां बनाईं और निवेश की आड़ में पोंजी–पिरामिड स्कीम में जनता से धन जुटाया।

प्रदेश से ईरान गए लोगों की खौफ से कट रही हैं रातें

लखनऊ, (संवाददाता)। जियारत के लिए राजधानी से ईरान और इराक गए सैकड़ों जायरीन की रातें खौफ के साये में बीत रही हैं। अनहोनी की आशंका उनके दिल की धड़कनें तेज कर रही हैं। सभी वतन वापस के लिए बेकरार हैं। जियारत पूरी हो चुकी है। अब रुपये और दवाएं भी खत्म होने को हैं। गोलागंज निवासी सैयद मोहम्मद अली काजमी अपने माता–पिता, पत्नी पत्नी, बहन और एक बच्चे के साथ 29 मई को जियारत पर रवाना हुए थे। मौलाना कल्बे आबिद की अगुवाई में गए ग्रुप में 14 महिलाओं सहित कुल 23 जायरीन हैं। काजमी ने फोन पर बताया कि जियारत पूरी हो चुकी है। अभी वो ईरान के मशद शहर के एक होटल में रुके हुए हैं। सभी को तेहरान एयरपोर्ट से 21 जून को वापसी की फ्लाइट पकड़नी थी, लेकिन फिर वापसी का रास्ता नहीं सूझ रहा था। काजमी ने बताया कि सोमवार को भारत मौजूद बहन ने भारतीय एंबेसी का एक लिंक व्हाट्सएप पर भेजा। लिंक में प्रोफार्मा अटैच था जिसमें हमने अपनी सारी जानकारी भर दी। मंगलवार को एंबेसी से दो बार कॉल आया। उन्होंने हमारी लोकेशन और ग्रुप के सदस्यों के बारे में जानकारी ली। भरोसा दिलाया कि तुर्कमेनिस्तान सीमा से वापसी की व्यवस्था की जा रही है। तब तक हम जहां हैं, वहीं रहने के लिए कहा गया है। इस कॉल के बाद अंधेरे में उम्मीद की रोशनी दिखाई दी है। काफी सुकून महसूस हो रहा है। मुसय्यब हुसैन, निकहत फातिमा, सैयद मोहम्मद अली काजमी, सैयद मूसा अली काजमी, ऐमन मूसवी, नुजहत फातिमा, तिलत फातिमा, है।

दो घर व दुकान में लगी आग, सारा सामान जलकर राख, कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया

लखनऊ, (संवाददाता)। श्रावस्ती जिले के मल्हीपुर के चहलवा में बृहस्पतिवार सुबह दो अलग अलग जगहो पर अज्ञात कारणों से आग लग गई। वहीं कटरा के गोपालपुर में बुधवार रात एक घर में आग लग गई। आग की चपेट में आने से दोनों घरों व एक दुकान में रखा सारा सामान जल कर राख हो गया। मल्हीपुर क्षेत्र के ग्राम अशरफ नगर के मजरा चहलवा निवासी अर्जुन विश्वकर्मा अपने फूस के मकान के

सामने चाय व परचून की दुकान करता है। प्रतिदिन की भांति अर्जुन बृहस्पतिवार सुबह नौ बजे दुकान खोलने की तैयारी कर रहा था। इसी बीच अज्ञात कारणों से दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इसकी चपेट में उसका फूस का घर भी आ गया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को काबू पाया जा सका। अग्निकांड में दुकान व घर में रखा सारा सामान जल कर राख हो गया। वहीं, कटरा क्षेत्र के ग्राम मरवटिया के मजरा गोपालपुर निवासी रघुनाथ के घर में बुधवार रात अज्ञात कारणों से आग लग गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अग्निकांड में घर में रखा सारा सामान जल कर राख हो गया। दोनों ही स्थानों पर हुए अग्निकांड में कोई हताहत नहीं हुआ है।

शहर में मिले पांच नए कोरोना संक्रमित मरीज, अब तक 43 मरीज मिल चुके हैं पॉजिटिव

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में कोरोना संक्रमितों की संख्या दिनों दिन बढ़ रही है। बुधवार को संक्रमण के पांच नए मामले मिले। अब लखनऊ में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 20 पहुंच चुकी है। नए मामलों में एक महिला व चार पुरुष शामिल हैं। इनमें कृष्णानगर निवासी 54 वर्षीय महिला, दिलकुशा निवासी 81 वर्षीय पुरुष, राणा प्रताप मार्ग स्थित 75 वर्षीय पुरुष, न्यू हैदराबाद निवासी 55 वर्षीय पुरुष और हजरतगंज के 27 वर्षीय पुरुष शामिल हैं। इन मरीजों की कोई ट्रेवल हिस्ट्री का पता नहीं चला है। स्वास्थ्य विभाग की टीम मरीज के परिवारीजनों के नमूने ले रही है। सभी होम आइसोलेशन में हैं। लखनऊ में अब कोरोना संक्रमण के 43 मामले मिल चुके हैं। सिंगापुर–हांगकांग में कोरोना संक्रमण की नई लहर लाने वाला वेरिएंट अब भारत में भी मिला है। पुणे और

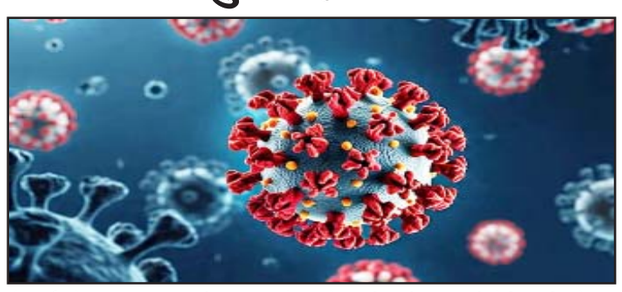

चेन्नई में एक एक मरीज सामने आया है जिनमें निमबस वेरिएंट का पता चला है। पुणे स्थित आईसीएमआर के एनआईवी ने जीनोम सीक्वेसिंग में इसकी पुष्टि की है। विश्व स्तर पर एनबी.1.8.1 (निमबस) नामक नया वेरिएंट कई देशों सिंगापुर और हांगकांग में संक्रमण की लहर ला रहा है। भारत में अब तक इस वेरिएंट के केवल दो मामले दर्ज हुए हैं जिनमें से एक चेन्नई से और एक पुणे से। दोनों मामलों में लक्षण मध्यम स्तर के पाए गए हैं। आईसीएमआर के पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान ने जारी नवीनतम जीनोमिक विश्लेषण में बताया कि बीते अप्रैल 2025 के दूसरे सप्ताह से कोविड–19 के मामलों में आई तेजी के पीछे ओमिक्रॉन के उप स्वरूप जेएन.1.16 का हाथ था, जिसे अब एक्सएफजी (एसएफ.7 और एलपी.81.2) नामक नया पुनः संयोजित वेरिएंट पीछे छोड़ चुका है। आईसीएमआर– एनआईवी पुणे के निदेशक डॉ. नवीन कुमार ने कहा है कि नया वेरिएंट अधिक खतरनाक नहीं है, और अब तक की निगरानी से कोई चिंता का कारण नहीं दिखता।?

बौद्ध परिपथ पर दर्दनाक हादसा, तेज रफ्तार कार ने युवक और महिला को कुचला

लखनऊ, (संवाददाता)। एकघरवा के दर्जी पुरवा गांव में बुधवार देर रात तेज रफ्तार कार ने बौद्ध परिपथ पार कर रहे युवक को रौंद दिया। घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद कार अनियंत्रित हो सड़क किनारे जा रही महिला को रौंदते हुए ढाबली से टकरा गई। गंभीर रूप से घायल महिला को सीएचसी गिलौला लाया गया। यहां से महिला को मेडिकल कालेज बहराइच रेफर किया गया। रास्ते में उसकी मौत हो गई। वहीं बाद में कार ढाबली से टकरा गई। मौके पर पहुंची गिलौला पुलिस ने शव सहित कार व उस पर सवार एक युवक को अपने कब्जे में ले लिया है। गिलौला

क्षेत्र के ग्राम दर्जी पुरवा निवासी छेदन (45) पुत्र बसारत बुधवार देर रात बौद्ध परिपथ पार कर मेडिकल स्टोर पर दवा लेने गया था। वहां से लौटते समय इकौना की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे रौंद दिया। घटना में छेदन की मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान कार अनियंत्रित हो गई। इस बीच पुराने घर से बौद्ध परिपथ किनारे स्थित नए घर पर जा रही गांव निवासी शकीना (48) पत्नी उस्मान को रौंदते हुए कार मार्ग किनारे रखी शहजाद अली की ढाबली से जा भिड़ी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची गिलौला पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। वहीं कार सहित उसमें सवार एक युवक को अपनी अभिरक्षा में लेकर गंभीर रूप से घायल सकीना को एंबुलेंस से सीएचसी गिलौला पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सकीना को मेडिकल कालेज बहराइच रेफर किया। इसी दौरान रास्ते में सकीना की मौत हो गई। बहराइच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मौत के बाद दोनों परिवार में कोहराम मच गया। एक ही गांव में दो लोगों की मौत से गांव में भी मातम छा गया है।

गर्भवती होने पर महिला सिपाहियों को बीच में छोड़नी पड़ेगी ट्रेनिंग

लखनऊ, (संवाददाता)। सिपाही नागरिक पुलिस के पद पर चयनित महिलाएं गर्भवती हुईं तो प्रशिक्षण का हिस्सा नहीं बन पाएंगी। गर्भवती होने की सूरत में उन्हें वापस भेज दिया जाएगा। ऐसी महिला प्रशिक्षुओं को डिलीवरी के एक साल बाद आगामी प्रशिक्षण सत्र में शामिल करने की व्यवस्था की जाएगी। बता दें सिपाही नागरिक पुलिस के पद पर 60244 अभ्यर्थी चयनित हुए हैं, जिनमें 12048 महिलाएं हैं। आरक्षी नागरिक पुलिस (सीधी भर्तीध्मृतक आश्रित) आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुताबिक इन परिस्थितियों में यदि किसी महिला सिपाही की प्रशिक्षण की अवधि साढ़ेध चार माह से कम होगी तो उसे नए सिरे से पूरा प्रशिक्षण लेना होगा। वहीं, यदि प्रशिक्षण अवधि साढ़े चार माह से अधिक हो गई होगी तो शेष प्रशिक्षण उसी स्तर से आरंभ होगा, जहां से छोड़ा गया था। यह प्रशिक्षण निदेशालय के आदेश के बाद अगले बैच के साथ कराया जाएगा। इसके अलावा यदि किसी महिला को प्रशिक्षण आरंभ होने के एक वर्ष के अंदर प्रसव हुआ है तो उसे प्रशिक्षण में शामिल होने से पहले जिले के सीएमओ का मेडिकल फिटनेस का सर्टिफिकेट देना होगा। राज्य के बाहर की निवासी महिला सिपाही को यह सर्टिफिकेट प्रशिक्षण संस्था के जिले के सीएमओ से प्राप्त करना होगा। यदि किसी महिला को प्रशिक्षण शुरू होने से पहले अथवा प्रशिक्षण के दौरान गर्भपात हो जाता है तो प्रशिक्षण में शामिल होने से पहले सीएमओ से फिट होने का सर्टिफिकेट लेकर जमा करना होगा।

सारे विश्व को योग और आयुर्वेद दोनों को सही तरीके से अपने जीवन में प्रयोग करना चाहिए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।सर्वे भवंतु सुखिनरू,सर्वे संतु निरामया। भारतवर्ष जिसका प्राचीन नाम आर्यावर्त है। यह सनातन धर्म की भूमि है जहां पर सनातन ध र्म उत्पन्न हुआ, फला फूला विकसित हुआ। इस सनातन धर्म ने पूरे विश्व को मार्ग दिखाया कि विश्व की शांति शरीर का स्वास्थ्य समाज का स्वास्थ्य किस तरीके से स्वस्थ रखा जा सकता है किस तरीके से भावपूर्ण बनाया जा सकता है। किस तरीके से सबका भला कर सकता है। अविनाश चंद्र श्रीवास्तव प्रधानाचार्य गोयल आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय लखनऊ आपको प्रणाम करता हूं आपने एक अवसर प्रदान किया है उसके लिए धन्यवाद करता हूं और यह कहना चाहता हूं कि इस सनातन धर्म की भूमि पर योग और आयुर्वेद उत्पन्न हुए।यह एक ही सिक्के के दो पहलू हैं एक दूसरे के पूरक है और इन्ही के बल पर भारत कभी विश्व गुरु कहलाता था इसका गौरव भारतवर्ष को प्राप्त है। पिछले कुछ वर्षों से भारत ने फिर से अपने दो ऊर्जा स्रोतों को विश्व के सामने रखा और उसका परिणाम यह हुआ कि विश्व में आयुर्वेद को जो पहले आयुर्वेद को चिकित्सा के रूप में आयुर्वेद की औषधियां को औषधीय नहीं मानते थे उसे ट्रेडीशनल मेडिसिन या घरेलू उपचार किस नाम से समझते रहे परंतु जब योग को भारत की सरकार ने पूरे विश्व में पहुंचा दिया लोगों ने योग को चिकित्सा का सरल सुगम और सस्ता पाया तो सब ने उसको अपनाया और स्वीकार किया।आयुर्वेद पर पूरे विश्व का ध यान गया कि भारत ने कोरोना महामारी के समय आयुर्वेद के औषध ीय से किस तरीके से अपनी रक्षा किया और विश्व को बताया कि भाई आप भी इस तरीके से स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हो कोरोना से बच सकते हो तो हमारे भारतवर्ष ने एक बार फिर वह रास्ता चुना है उस रास्ते पर आगे बढ़ा है जहां पर वह जिस रास्ते से पहुंचकर विश्व गुरु के उस पद तक को पहुंच सकता है। 21 जून पूरे विश्व के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। भारत में उसको और बढ़ते हुए इसको घर–घर तक गांव–गांव तक हर व्यक्ति तक पहुंचाने का माध्यम बनाया है। गोयल आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय लखनऊ ने अपने इस प्रयास को सबसे ऊपर रखा। 1 जून से लेकर अब तक आज 19 जून है गवर्नर हाउस में योग का प्रतिदिन अभ्यास किया जा रहा है जिसमें गोयल आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के छात्रों की एवं चिकित्सकों की संख्या सबसे अधिक रही है। इस कॉलेज को निर्देशित करने वाले अध यक्ष इंजीनियर महेश कुमार ने बहुत ही सफल तरीके से अपने द्वारा नेतृत्व किया जो सराहनीय है। हम नतमस्तक है ऐसे भी प्रबंधक हमारे इस लखनऊ में हमें प्रणाम करते हुए आप सबको यह बताना चाहता हूं कि योग वह मार्ग है जो शरीर को स्वस्थ रखता है तो शरीर को स्वस्थ रखते हुए बीमारी को दूर करता है और सबसे बड़ी बात तो यह है योग के द्वारा आत्मा से परमात्मा का मिलन संभव है और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है योग अपने आप में संपूर्ण है योग में आयुर्वेद निहित है आयुर्वेद उसके रग रग में है इसलिए वह संपूर्ण है मैं यह बताना चाहता हूं कि सारे विश्व को योग और आयुर्वेद दोनों को सही तरीके से अपने जीवन में प्रयोग करना चाहिए ताकि यह जीवन की सार्थक बन सके और परलोक भी उत्तम हो सके जय आयुर्वेद जय योग जय हिंद धन्यवाद

पीली नदी के जीर्णोद्धार कार्य का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 20 जून ।जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र के द्वारा पीली नदी के जीर्णोद्धार कार्य का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति के संबंध में जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान अपेक्षा के अनुरूप कार्य तीव्र गति से होते हुए पाया गया, जिस पर उन्होंने इस कार्य में लगे उप जिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग, खंड विकास अधिकारी बदलापुर, ग्राम प्रधान, श्रमिक व अन्य की प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के द्वारा निर्देश दिये गये है कि जनपद में पर्यावरण और जल संवर्धन के कार्य किये जाये, जिसके क्रम में पीली नदी को चिन्हित करते हुए जीर्णोद्धार का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है और इसके साथ ही नदी के किनारे लगभग 1000 पौधे रोपित करने की भी तैयारी कर ली गई है। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा, मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और विधायक बदलापुर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण के कुशल निर्देशन में ग्राम प्रधानगण, सिंचाई विभाग के अधिकारी, खंड विकास अधिकारी के समन्वय से पीली नदी के जीर्णोद्धार के समस्त कार्य को श्रम के आधार पर तेजी से किया जा रहा है। नदी का स्वरूप जहां पर खत्म हो गया था उस पॉइंट को चिन्हित करते हुए ठीक करने का कार्य किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक जल संचय हो सके। इस कार्य में 08 पोकलेन मशीन लगातार कार्य कर रही है और अधिक संसाधन बढ़ाने के भी प्रयास किया जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने इस कार्य में सहयोग प्रदान कर रहे सभी लोगो का हृदय से आभार व्यक्त किया । इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा ग्राम देवरिया, नुरूददीनपुर में स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए शासन के विभिन्न योजनाओं के सन्दर्भ में जानकारी देते हुए इच्छुक लोगों को बकरी पालन की योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिये गए, जिससे उनकी आय में वृद्वि हो सके। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह , अधिशासी अभियंता सिंचाई, ग्राम प्रधानगणध सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

रास्ते के विवाद में मनबढ़ों ने किया जानलेवा हमला

देश की उपासना

धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र के सौरईया गांव निवासी बलराम गौतम और उनके बेटों पर गांव के ही सूरज गौतम (पुत्र चंद्रभान) ने संजय, विजय और 8–10 अज्ञात रिश्तेदारों के साथ मिलकर जानलेवा हमला किया। हमले में बलराम और उनके परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित बलराम ने आरोप लगाया कि जब वह हमले की शिकायत लेकर थाने पहुंचे तो थाना अध्यक्ष ने संतोषजनक कार्रवाई नहीं की। उल्टे घायल बलराम और उनके बेटे रविंद्र को थाने में बैठा लिया गया और उन पर दबाव बनाया गया। जब इस घटना की जानकारी बलराम के बड़े बेटे शैलेश कुमार को हुई तो उन्होंने पुलिस अधीक्षक, जौनपुर से न्याय की गुहार लगाई। शैलेश ने एसपी को लिखित शिकायत पत्र सौंपते हुए कहा कि यह हमला पुलिस की मिलीभगत से हुआ है। आरोप है कि हमलावरों ने योजनाबद्ध तरीके से दूसरे गांव से अपने रिश्तेदारों को बुलाकर बलराम, उनके तीन बेटों और बहुओं पर हमला किया। हमले में बलराम के परिवार के करीब आध ा दर्जन लोग घायल हुए हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर खुटहन थाना प्रभारी ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित बलराम ने कहा है कि वे इस पूरे मामले की शिकायत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी करेंगे।

स्मृतिशेष राजबली शुक्ल की पुण्यतिथि पर महिला सफाई कर्मियों को किया गया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। किसी की भी पुण्यतिथि सामान्य रूप से भारतीय परम्परा में घर– परिवार, नात –रिस्तेदार, सगे –सम्बन्धियों को आमंत्रित करने एवं भोज आयोजित कर पूर्वजों को याद करने की आम रिवाज है।लेकिन राजा श्री कृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय जौनपुर के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर अखिलेश्वर शुक्ला ने एक अलग अंदाज में अपने पिताश्री की पुण्यतिथि पिछले तीन वर्षों से मनाते चले आ रहे हैं।हर वर्ष अलग अलग वर्ग के लोगों को सम्मानित करने का सिलसिला जारी है। ज्ञात हो कि पं राजबली शुक्ल के पांच पुओं में ज्येष्ठ पुत्र प्रो. अखिलेश्वर शुक्ला है। सभी पुत्र बाहर होने के कारण अपने अपने अंदाज से पुण्यतिथि मनाते हैं। डॉ अखिलेश्वर शुक्ला ने प्रथम तिथि 20–06–2023 को यातायात से जुड़े, शहर के चौराहों पर तपती धूप में ड्यूटी करने वाले 21 जवानों को वर्दी के साथ सम्मानित कर उत्साह बढ़ाने का कार्य किया था। द्वितीय पुण्यतिथि (2024) पर 21 समर्पित गौसेवकों को पोलिटेकनिक स्थित गौशाला में अंगवस्त्र के साथ सम्मानित किया गया था । पुनः तिसरी पुण्यतिथि पर शुक्रवार को नगर पालिका जौनपुर में कार्यरत 21 महिला सफाई कर्मियों को अपने आवास पर अंगवस्त्रम के साथ सम्मानित कर महिला कर्मियों का मनोबल बढ़ाने का कार्य किया। सम्मानित होने वालों में सुश्री ममता ,गुन्जा ,लैल्लू ,निशा, आरती ,अंशू, शैल कुमारी , निलम, पार्वती, पुष्पा, रूखसाना, मीरा, लक्ष्मी, हसीना, अनीता, मीना आदि रहीं।इस मौके पर नगर पालिका के कार्यालय अध ीक्षक अनिल यादव, अरविन्द कुमार , संजीव कुमार, राजेश कुमार सहित नगर पालिका कर्मचारी संघ के अध यक्ष कमरूद्दीन, संरक्षक विनोद सिंह के साथ साथ ऋषिकुल एकेडमी के प्रबंधक ऋषिकेश द्विवेदी , सहायता ज्वैलर्स के मनीष गुप्ता सहित पत्रकार बन्धु की उपस्थिति रहे।इस मौके पर प्रो अखिलेश्वर शुक्ला ने बताया कि – पुज्य पिता जी सदैव समाज के उन लोगों पर विशेष ध यान दिया करते थे जो श्रमजीवी वर्ग से थे । यही कारण है कि मैं पिता जी की आत्मा की शान्ति के लिए समाज के उस तबके का उत्साह बढ़ाने के लिए जो भी कर सकता हूं –करना चाहता हूं। प्रोफेसर अखिलेश्वर शुक्ला का मानना है कि – कोई काम छोटा नहीं होता, यदि यह समझ हम भारतीयों में आ जाये तो समाजध राष्ट्र की तरक्कीध विकास को कोई रोक नहीं सकता। प्रो शुक्ला का यह भी कहना कि हमारे पूर्वजों ने समस्त कार्यों को चार भागों में बांट कर जिस समाज एवं विकास की आधारशीला रखी थी । उसे पुरे विश्व स्तर पर देखा और समझा जा सकता है। जिसके बिना पुरा समाज अपंग अपाहिज हो सकता है। धर्म कर्म, पर्व त्यौहार , स्वस्थ –खुशहाल जीवन के लिए सेवा अर्थात सफाई कर्मियों के योगदान को भला कैसे भुलाया जा सकता है? सफाई कर्मियों द्वारा समर्पित भाव से सेवा एवं किसी भी कार्य को छोटा नहीं समझने का संदेश सर्वग्राह्य होना चाहिए। व्यक्तिगत नित्य कर्मों पर यदि विचार करें तो पाएंगे कि चारो कर्म हमारे स्वयं के दिनचर्या में शामिल है। इसलिए राष्ट्रीय हित में हमें जो भी दायित्व प्राप्त है उसका निर्वाह इमानदारी से करना ही राष्ट्रधर्म है। पने पूर्वजों, ऋषियों मुनियों के श्री चरणों में कोटि कोटि नमन वंदन अभिनंदन करते हैं।

शहर वासियो व श्रद्धालुओं को जाम से मुक्तिदिलाना सीओ ट्राफिक का प्रयास

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।अयोध्या धाम सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर दर्शन पूजन करने आने वाले श्रद्धालुओं तथा शहर वासियों को जाम से छुटकारा दिलाने का प्रमुख प्रयास यातायात पुलिस का रहता है।वही आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं तथा शहर वासियों को जाम से कैसे छुटकारा मिले इसके लिए बीच–बीच में एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर तथा एसपी ट्राफिक एपी सिंह के निर्देश पर यातायात विभाग के कर्मचारियों के साथ बैठक कर रणनीति बनाई जाती है। यह बातें सीओ ट्राफिक सुरेंद्र सिंह ने बताई।उन्होंने बताया कि अयोध्या ध ाम में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से श्रद्धालुओं की आवागमन में काफी बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा बीच–बीच में अयोध्या धाम में कई प्रमुख मेलो आज का भी आयोजन होता रहता है। परिणाम स्वरूप यहां पर श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भी का आवागमन स्वाभाविक

रहता है।यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं तथा शहर वासियों को जाम जैसे मुख्य समस्या से ना गुजरना पड़े इसके लिए बीच–बीच में यातायात पुलिस कर्मियों के साथ बैठक कर रणनीति बनाई जाती है।उन्होंने बताया कि जब कभी अयोध्या धाम में श्रद्धालुओं के भीड का आधार अधिक दबाव पड़ जाता है तो कुछ प्रमुख चौराहों पर यातायात को नियंत्रित करने के लिए बैरियर आदि लगाई जाती है।बताया कि अयोध्या धाम के अलावा अन्य स्थानों पर शहर वासियों को जाम से अधिक परेशानी ना हो इसके लिए शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात पुलिस कर्मियों की तैनाती भी की जाती है। उन्होंने बताया कि अयोध्या धाम सहित अन्य प्रमुख स्थान पर संचालित ई रिक्शा पर यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है और उनसे यही अपील की जारी है कि वह अपने निर्धारित रुट के अनुसार ही मार्ग पर चलें।अन्यथा उनके विरुद्ध यातायात पुलिस विभाग द्वारा कठोर कार्यवाही की जाएगी

शीघ्र ही मिलेगी जलवानपुरा वासियों को में जल निकासी की समस्या से छुटकारा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।योगी सरकार के नेतृत्व में अयोध्या का कायाकल्प तेजी से हो रहा है।नगर के विकास के लिए चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स में जल निकासी की समस्या को प्राथमिकता दी जा रही है।इसी कड़ी में जलवानपुरा और आसपास के क्षेत्रों में जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। 35 करोड़ रुपये की लागत से पंप हाउस और तीन किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है।गुरुवार को प्रथम चरण के तहत क्षीरसागर क्षेत्र में वर्षा जल निकासी के कार्य का ट्रायल भी सफलतापूर्वक किया गया।जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।इस परियोजना से स्थानीय निवासियों को बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी।जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई जमीन पर पंप हाउस के निर्माण के लिए रिटेनिंग वॉल और स्लैब का कार्य भी पूर्ण हो गया है।यह पंप हाउस जल निकासी की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाएगा। इस ट्रायल के दौरान जल निकासी व्यवस्था की कार्यक्षमता का आकलन किया गया और यह पाया गया कि यह प्रणाली भारी बारिश के दौरान भी प्रभावी ढंग से कार्य करेगी।पम्प हाउस में 6 पम्प स्थापित है जिसमें 4 इलेक्ट्रिक पम्प (180 भ्व 2 डीजल पम्प (254 भ्व) स्थापित किये गये हैं एवं स्थल पर क्षीर सागर तालाब से सोतिया नाले तक लगभग 3250.00 मी0 लम्बाई में दो पाईप लाइन डाली गई है। स्थल पर पम्प से जल निकासी का सफल परीक्षण किया गया है। इस परियोजना से श्री राम जन्म भूमि मन्दिर, अयोध्या धाम स्टेशन, बिड़ला धर्मशाला, कौशलेश कुंज व आसपास के क्षेत्रो को वर्षा जल भराव से मुक्ति मिलेगी व यात्रियों व श्रद्धालुओं को भी आवागमन मे सुगमता होगी।इस प्रोजेक्ट को आवास और शहरी नियोजन विभाग ने अयोध या विकास प्राधिकरण से बनवाया है। स्थानीय निवासियों ने इस पहल की सराहना की है। लोगों का कहना है कि पहले बारिश के दिनों में हमारे क्षेत्र में जलभराव की समस्या से काफी परेशानी होती थी। अब इस नए पंप हाउस और पाइपलाइन के कारण हमें राहत मिलेगी।इस मौके पर मंडलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि यह परियोजना अयोध्या को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार का लक्ष्य अयोध्या को न केवल धार्मिक, बल्कि आधुनिक और सुविधाजनक शहर के रूप में विकसित करना है। इसके लिए बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस परियोजना के पूर्ण होने से न सिर्फ जल निकासी की समस्या हल होगी, बल्कि शहर की सुंदरता और स्वच्छता में भी इजाफा होगा।इस मौके पर अयोध्या नगर निगम के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, मंडलायुक्त गौरव दयाल, उपाध्यक्ष अयोध या विकास प्राधिकरण अश्विनी कुमार पाण्डेय, सचिव हेम सिंह, अपर नगर आयुक्त (नगर निगम, अयोध्या) एवं अधि ाशासी अभियन्ता आलोक कुमार सिंह व राजपति यादव, प्रभारी अधिशासी अभियन्ता (नगर निगम) समेत अन्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर 24 जून को डीएम कार्यालय के समक्ष भूख हड़ताल एवं सत्याग्रह आंदोलन का निर्णय

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष उपेन्द्र प्रताप सिंह की उपस्थिति में एक बैठक जिला महिला चिकित्सालय में आयोजित की गई। जिसमें सभी पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और निर्णय लिया गया कि राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जो भी घटक हैं वो पुरानी पेंशन की बहाली आउटसोर्सिंग एवं संविदा आदि कर्मचारी की सेवा सुरक्षा संबंधी प्रकरणों को लेकर 24 जून को जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष भूख

हड़ताल एवं सत्याग्रह आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है जिसमें प्रमुख रूप से सभी घटक दल के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपस्थित होने वालों में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के महामंत्री सत्य प्रकाश मिश्रा जी संघर्ष समिति अध्यक्ष संजय सिंह, मयाशंकर मिश्रा, डॉ अतहर समीम खान, भुवन चंद्र मिश्रा, डॉ इंद्र भानमौर्य, सचिन कुमार सिंह, भावना वर्मा नर्सजसंघ अध्यक्ष,आशा देवी आउटसोर्सिंग से चंदन सिंह, सर्वेश पाल, चित्रांशु शुक्ला आदि लोग उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम ने रोडवेज परिसर से एक बाबू और परिचालक को किया गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,20 जून । भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम वाराणसी ने रोडवेज के दो कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए शुक्रवार को रोडवेज परिसर से गिरफ्तार किया है। कनिष्ठ लिपिक प्रदीप श्रीवास्तव और परिचालक रजनीश कुमार को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया। डिपो में तैनात परिचालक झुल्लूर राम ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम से शिकायत किया था।झुल्लूर राम ने बताया कि उनकी बस बदलने के लिए कनिष्ठ लिपिक प्रदीप श्रीवास्तव ने 5 हजार रुपए की मांग की थी। श्रीवास्तव ने पैसे सीधे न लेकर परिचालक रजनीश कुमार के माध्यम से लेने की योजना बनाई। शुक्रवार शाम करीब 3रू35 बजे एंटी करप्शन टीम ने रोडवेज परिसर में कार्रवाई की। इंस्पेक्टर राजेश कुमार यादव के नेतृत्व में टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी प्रदीप श्रीवास्तव बदलापुर जौनपुर के रहने वाले हैं। वहीं रजनीश कुमार इलाहाबाद के मेजा क्षेत्र के चपरतला गांव के निवासी हैं। दोनों आरोपियों को लाइन बाजार थाने ले जाया गया है। जहां आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद दोनों को जेल भेज दिया जाएगा।

अशोक कुमार अध्यक्ष, दिनेश कुमार सचिव बने

बस्ती। बुधवार को उत्तर प्रदेश इंजीनियर एसोसिएशन की बैठक सर्किट हाउस में हुई जिसमें सर्व सम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। बैठक में अशोक कुमार वर्मा अध्यक्ष, दिनेश कुमार सचिव, अंकुर वर्मा उपाध्यक्ष, अजय कुमार कोषाध्यक्ष, क्षितिज कुमार पाण्डेय प्रचार सचिव बनाये गये। इसी कड़ी में इंजीनियर एसोसिएशन पदाधिकारियों ने अशोक कुमार वर्मा के नेतृत्व में आजमगढ के जिलाधि ाकारी रविन्द्र कुमार 'द्वितीय' द्वारा सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियन्ता ।

21 जून 2025 को राजकीय आई0टी0आई0 जौनपुर में रोजगार मेला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 एवं जिलाधि ाकारी के निर्देश के कम में राजकीय आई0टी0आई0 जौनपुर में 21 जून 2025 को प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनियों के द्वारा प्रतिभाग किया जाना है। जिसकी शैक्षिक योग्यताः– हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेंगी। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें। जला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई0डी0प्रूफ बायोडाटा सहित ।

बिजली विभाग के मॉर्निंग रेड के तहत चल रहे बृहद मेगा ड्राइव अभियान के तहत उपभोक्ताओं में मचा हड़कंप

आजमगढ़, (संवाददाता)। बिजली विभाग ने कासिमगंज, अकटहिया, शेखुपुर, चांदपट्टी, बक्सीपुर, करमैनी, जमीनमोहम्मदपुर एवं पट्टी क्षेत्र में चलाया मास रेड अभियान , 9 लोगों पर की एफआईआर एवं बकाए पर काटे गए 66 कनेक्शन, करीब 3.57 लाख की हुई बकाया वसूली और 22.12 लाख बकाए पर करीब 66 घरों की काटी गयी बिजली , 9 उपभोक्ता बिजली चोरी करते पकड़े गये बिजली विभाग के अभियान से बिजली चोरों में हड़कंप। प्रबंध निदेशक पूर्वांचल निगम के निर्देशानुसार ज्यादा बिजली चोरी वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर आज दिनांक 18.06.2025 को कासिमगंज, अकटहिया, शेखुपुर, चांदपट्टी, बक्सीपुर, करमैनी, जमीनमोहम्मदपुर एवं पट्टी क्षेत्र में बिजली विभाग ने बृहद मेगा ड्राइव अभियान चलाया। बिजली विभाग के एक्सईएन श्री देवेन्द्र कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में दर्जनों मुहल्लों में बिजली विभाग की 6 टीमों ने सुबह से ही चेकिंग शुरू कर दी। जिससे बिजली चोरों में हड़कंप मचा रहा। क्षेत्रो की बिजली चेकिंग में करीब 9 उपभोक्ता को बिजली की चोरी करते पकड़े गये जिनके ऊपर एफआईआर दर्ज की जा रही है। इसके अतिरिक्त करीब 66 घरों की बिजली बिल बकाया ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।